डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 223 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 28 मई 2024 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रात 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

जिले में हीट वेव का येलो अलर्ट

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नौतपा के दूसरे दिन बारिश गिरने के बाद तीसरे दिन गर्मी ने और ज्यादा रोद्र रुप दिखाया। तेज धूप के साथ उमस का असर भी तगड़ा रहा। गर्म हवाओं का दौर भी चला। जिले में अधिकतम तापमान 43 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिनों में तापमान में 2-3 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग में आज जिले में लू का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं इससे बचने की सलाह दी है। मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में भीषण गर्मी है। वहीं, उत्तरी हिस्सा भी काफी गर्म है। सोमवार को भी यहां गर्मी का असर देखने को मिलेगा। वहीं, आने वाले एक सप्ताह तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

प्रदेश में फिर शुरू होगा फायर आडिट अभियान

सरकारी भवन सहित अस्पतालों की होगी जांच

भोपाल, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में एक बार फिर फायर आडिट अभियान चलाया जाएगा। वल्लभ भवन स्थित मंत्रालय से इसकी शुरुआत हो चुकी है। मंत्रालय में सुरक्षा उपकरणों की जांच कर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई की भी जांच की गई है। वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग ने वल्लभ भवन की पुरानी बिल्डिंग का रिनोवेशन कराने के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। इसी तरह अन्य सरकारी भवनों का भी फायर आडिट कराया जाएगा।

इसके लिए प्रशासन और पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। सतपुड़ा भवन और फिर मंत्रालय में भीषण आग से सरकारी दस्तावेज सहित शासकीय संपत्ति की हानि हुई थी। वहीं प्रदेश के अस्पतालों में भी आग की घटना से कई मासूमों को अपनी जान गवाना पड़ी है। हाल ही में लोकायुक्त मुख्यालय में लगी आग ने प्रशासन की व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भोपाल के हमीदिया और जबलपुर के अस्पतालों में लगी भीषण आग की घटनाओं के बाद फायर सेफ्टी को लेकर एसओपी जारी की गई थी। प्रदेशभर में सभी बहुमंजिला इमारतों का फायर आडिट कराया गया था। लेकिन, चौंकाने वाली बात है शासन ही इसे भूल गया। सतपुड़ा भवन स्थित स्वास्थ्य संचालनालय और मंत्रालय में ही इसका पालन नहीं हुआ था। एसओपी के अनुसार आग बुझाने के इंतजाम होते तो सतपुड़ा भवन में लगी आग पर काबू पा लिया जाता।

प्रदेश के छह बड़े अस्पतालों में आग लग चुकी है, इनमें बच्चे, वृद्ध सहित 25 से अधिक मरीज अपनी जान गवां चुके हैं। दिसंबर 2020 में शिवपुरी जिला अस्पताल में आग लगने से एक मरीज की मौत हो गई थी। नवंबर 2021 में भोपाल के कमला नेहरू चिल्ड्रन अस्पताल में आठ से अधिक बच्चे जलकर मर गए थे।

जून 2021 में खरगोन जिला अस्पताल के आइसीयू में आग लगी थी। मई 2021 में अशोकनगर जिला अस्पताल में आग लगी थी। जनवरी 2022 में इंदौर के मेदांता अस्पताल के आइसीयू में आग लगी थी, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। अगस्त 2022 में जबलपुर के न्यू लाइफ मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में भीषण आग से 10 लोगों की मौत हो गई थी।

वर्ष 2022 में फायर एनओसी देने के नए नियम बनाए गए थे। जिसमें प्रोविजनल एनओसी देने पर रोक लगा दी गई थी और नई प्रक्रिया के तहत नियम अनुसार आवेदन करने पर ही एनओसी देने की व्यवस्था की गई थी। अस्पताल खोलने या पुराने के नवीनीकरण के लिए 12 दस्तावेज मांगे जाते है। इनमें फायर एनओसी सख्ती से अनिवार्य की गई है। ई नगर पालिका पोर्टल पर एनओसी देने की व्यवस्था की गई है। लेकिन मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन में फायर एनओसी को लेकर कोई पालन नहीं किया गया था। बहुमंजिला इमारतों के लिए भी यही प्रक्रिया है।

मंत्रालय में सुरक्षा कर्मियों को माक फायर ड्रिल एवं इवेक्युएशन ड्रिल का दिया प्रशिक्षण...

मंत्रालय वल्लभ भवन में पदस्थ सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को माक फायर ड्रिल एवं इवेक्युएशन ड्रिल का प्रशिक्षण पुलिस फायर ब्रिगेड एवं नगर निगम के फायर फाइटर द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। माक ड्रिल में विशेषज्ञ द्वारा बताया गया की आग लगने पर क्या-क्या कार्रवाई करनी है।

इवेक्युएशन ड्रिल द्वारा समझाया गया की बिल्डिंग में आग लगने पर स्वयं को सुरक्षित रखते हुए बिल्डिंग में मौजूद लोगों को सुरक्षित कैसे बाहर निकलना है। इसे नगर निगम की हाइड्रोलिक फायर टेंडर द्वारा ड्रिल करके समझाया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (फायर) आशुतोष राय, मंत्रालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी/ सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा अविनाश शर्मा एवं वल्लभ भवन सुरक्षा में पदस्थ समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेयजल के लिए- दो दिन बाद एक बार फिर कालाभाटा से पानी रामघाट बैराज में लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार कालाभाटा से संभवतः आखरी बार पानी ले पाएंगे। क्योंकि, अब पानी उलीचने के बाद कालाभाटा में ज्यादा पानी नहीं बचेगा।

नॉन ट्रेड सीमेंट का गौरखधंधा

सीमेंट कारोबारियों का व्यापार प्रभावित, सरकार को भी राजस्व का नुकसान

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले भर में नॉन ट्रेड सीमेंट का गौरखधंधा जोरो पर है। निजी भवनों में इस सीमेंट का उपयोग हो रहा है। इससे सरकार को राजस्व का तो नुकसान हो ही रहा है। स्थानीय सीमेंट कारोबारियों को खासा नुकसान हो रहा है। कुछ दिनों पहले सीमेंट कारोबारी जीएसटी विभाग के अधिकारियों से मिले थे। उन्होंने इस गौरखधंधे के बारे में अवगत भी कराया। लेकिन, विभाग के अधिकारियों का कहना था कि लिखीत में इसकी शिकायत करें। इसके बाद कमिश्नर अगर पॉवर देते हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

जिले में नॉन ट्रेड सीमेंट बेचने का गोरख धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। इस धंधे में कई सफेद पोश भी शामिल है। नॉन ट्रेड सीमेंट को निजी भवनों के निर्माण में लगाया जा रहा है। जिससे सरकार को वैट व एक्साइज ड्यूटी का नुकसान उठाना पड रहा है। दूसरी ओर, ट्रेड सीमेंट बेचने वाले डीलरों का धंधा चौपट हो रहा है। इस तरह की टैक्स चोरी के मामले में जिम्मेदारों ने नॉन ट्रेड सप्लाई करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। नॉन ट्रेड व ट्रेड सीमेंट की दर में कम से कम साठ से सौ रुपए प्रति बैग का अंतर रहता है। बड़ा मुनाफा कमाने के लिए कई संस्थाएं व ठेकेदार अपने लाइसेंस के नाम से सीमेंट मंगवाकर निर्माण कार्य में बेच देते हैं। जबकि, जिस नाम से बिल व बिल्टी बनती है। सीमेंट उसी के आधार पर उपयोग होना चाहिए। ट्रांसपोर्टर की मिलीभगत से यह माल रास्ते में या अन्य स्थान पर खाली कर दिया जाता है।

बता दें कि जिले में कई निजी निर्माण कार्य चल रहे हैं। इन स्थानों में करीब 20 फीसदी नॉन ट्रेड सीमेंट सप्लाई हो रहा है। सरकारी निर्माण कार्य कराने वाले ठेकेदार कम रेट में सप्लाई कर रहे हैं। जिससे बाजार पर फर्क पडने लगा है। यहां तक की ग्रामीण क्षेत्र में भी ग्रामीणों को नॉन ट्रेड सीमेंट बेचा जा रहा है। जिले में सीमेंट के डीलरों का कहना है कि एक साल में पहले करीब 350 टन सीमेंट टर्नओवर कर लेते थे, लेकिन जब से नॉन ट्रेड सीमेंट की सप्लाई होने लगी है, तब से 100 से 150 टन ही बिक पा रहा है।

सरकारी ठेकेदार भी कर रहे खेल...

लोनिवि सहित अन्य सरकारी विभागों में दर्जनो सरकारी निर्माण कार्य चल रहे हैं। सरकारी निर्माण कार्य में ठेकेदार अपने नाम से नॉन ट्रेड सीमेंट को फैक्टरी से मंगवाते हैं। यहां उन्हें डीलरों से कम रेट में मिलता है, लेकिन ठेकेदार बदमाशी करके निजी निर्माण कार्य में लगाने के लिए बेच देते है। जिससे उन्हें बड़ा मुनाफा होता है। बल्कि फैक्टरी से मिलने वाले नॉन ट्रेड सीमेंट के बैग पर नॉट फोर रिटेल सेल का भी हवाला दिया रहता है। इसके बाद भी बेचने का काम जोरों पर चल रहा है।

यह है ट्रेड और नॉन ट्रेड सीमेंट...

सीमेंट कंपनियां दो तरह का ट्रेड व नॉन ट्रेड सीमेंट जारी करती है। ट्रेड सीमेंट आम उपभोक्ता को तथा नॉन ट्रेड सीमेंट सरकारी निर्माण कार्य, बड़े प्रोजेक्ट, बड़े ठेकेदार या संस्था जिसका बड़ा प्रोजेक्ट हो, उसको बेचा जाता है। वर्तमान में ट्रेड सीमेंट की कीमत लगभग 350 रुपए प्रति बैग है। बैग पर लिखी कीमत के आधार पर एक्साइज ड्यूटी लगती है। सेल टेक्स, भाड़ा तथा डीलर का कमीशन भी इसमें शामिल होने से यह महंगा है। वहीं नॉन ट्रेड में सीमेंट के लागत मूल्य पर एक्साइज व सेल टेक्स लगता है। माल भाड़ा तथा डीलर का कमीशन नहीं लगने से इसकी कीमत लगभग ढाई सौ रुपए या दो सौ साठ रुपए प्रति बैग होती है। नॉन ट्रेड में सीमेंट के बैग पर नोट फॉर रिटेल सेल लिखा होता है। जिसे बाजार या निजी निर्माण में नहीं बेचा जा सकता है, लेकिन निजी निर्माण कार्य में सबसे ज्यादा नॉन ट्रेड सीमेंट ही उपयोग हो रही है।

मामला नर्सिंग होम्स और अस्पतालों के बाहर पार्किंग का...

रसूख के आगे झुकी कार्रवाई की कमर

इक्का दुक्का ने की व्यवस्था, बाकियों पर मेहरबानी

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। सड़को पर अतिक्रमण और पार्किंग को लेकर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव कई बार बैठकों में निर्देशित कर चुके हैं। ठेले वालों और अन्य दुकानदारों का सामान जब्त करने की कारवाई भी की गई। यातायात का दबाव कम करने के लिए गजा महाराज कॉम्प्लेक्स के पीछे पुरानी सब्जी मंडी में पार्किंग व्यवस्था भी की गई। लेकिन, अस्पतालों और नर्सिंग होम्स को प्रशासन अभयदान देता नजर आ रहा है। कुछ समय पहले दिखाई गई सख्ती के बाद कुछ नर्सिंग होम्स संचालको ने जुगाड़ कर पार्किंग की व्यवस्था कर दी। लेकिन, अभी भी मुख्य मार्गों पर चल रहे नर्सिंग होम्स पार्किंग व्यवस्था नहीं कर पाए है।

अगस्त 2022 में जबलपुर व भोपाल में हुई आग लगने की घटना के बाद प्रदेशभर के निजी अस्पतालों की जांच की गई थी। इस दौरान जिले के निजी अस्पताल संचालकों के पास भी भवन अनुज्ञा प्रमाण-पत्र, फायर सेफ्टी और पार्किंग नहीं होने सहित अन्य कमियां मिलने पर पिछले साल नवंबर 2022 में स्वास्थ्य विभाग ने 29 अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी किए थे। एक माह का समय देने के बाद भी खामियां पूरी नहीं करने पर विभाग ने अजय हॉस्पिटल, आलोक हॉस्पिटल, अनुयोग हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, चेलावत हॉस्पिटल, माहेश्वरी नर्सिंग होम, मालवा हॉस्पिटल, मेहता नेत्रालय एवं लेजर सेंटर, मेहता नर्सिंग होम, मेवाड़ हॉस्पिटल, मिरेकल हॉस्पिटल, पमनानी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, पाटीदार ऑर्थोपेडिक सेंटर एंड मल्टीस्पेशलिटी, परफेक्ट आई, 21 हॉस्पिटल, शुभम हॉस्पिटल, सुशय हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, त्रिशिका नर्सिंग होम, विक्रांत आई हॉस्पिटल, नोबल हॉस्पिटल व सिटी हॉस्पिटल सहित अन्य अस्पतालों के लाइसेंस निरस्त कर दिए थे। इस बीच प्रदेश में 50 बेड से कम अस्पताल संचालकों को फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र प्रदान करने के नियम शिथिल किए तो कुछ संचालकों ने व्यावसायिक अनुज्ञा भवन पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में गलियां निकाल दीं। इसके बाद विभाग ने धीरे- धीरे करके फिर से लाइसेंस जारी कर दिए। लेकिन पार्किंग की समस्या जस की तस है।

नगरपालिका ने दे रखी एनओसी...

खामियों के बीच संचालित शहर के निजी अस्पताल संचालकों को कोई डर नहीं है। नपा व स्वास्थ्य महकमे ने मिलीभगत के चलते बगैर पार्किंग सुविधा के भी निजी अस्पतालों को एनओसी व लाइसेंस दे रखे हैं। नपा के प्रावधानों में पार्किंग का उल्लेख है। नपा की एनओसी के आधार पर स्वास्थ्य विभाग लाईसेंस जारी करता है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की भी जिम्मेदारी है कि मौके पर मापदंडों की जांच करे।

सड़को पर वाहन खड़े करने से आवागमन होता है बाधित...

अधिकांश अस्पतालों और नर्सिंग होम्स में सड़को पर ही वाहनों की पार्किंग हो रही है। इससे यातायात बाधित होकर राहगीर व मरीज दोनों परेशान हैं। शहर में स्टेशन रोड, दशपुर कुंज क्षेत्र, दयामंदिर रोड, कालीदास मार्ग, नई आबादी स्थित राजमार्ग, गुरुद्वारा रोड पर नर्सिंग होम्स व अस्पताल यातायात व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं। कुछ समय पहले पार्किंग को लेकर हुए विवाद के बाद मामले में नपा ने अस्पताल संचालक को नोटिस भी थमाया, बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ।

नपा व स्वास्थ्य महकमे की स्वीकृति पर भी सवाल...

परमिशन के खेल के बीच नपा व स्वास्थ्य महकमे की स्वीकृति पर भी सवाल खड़ा होता है। जानकारी के मुताबिक नपा द्वारा जारी किए जाने वाला अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी संबंधित टीम के निरीक्षण के बाद ही जारी होता है। स्वास्थ्य विभाग भी कमियां दूर होने के बाद ही लाइसेंस जारी करते हैं। लेकिन जिले में स्थिति उलट है।

तेज गरमी में ओवर स्पीड से फट रहे टायर

पुलिस कप्तान ने ली मातहतों की बैठक

क्राइम समीक्षा कर दिए मातहतो को निर्देश

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के पुलिस कप्तान श्री अनुराग सुलझानिया ने पुलिस कंट्रोल रूम पर पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी के अलावा अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जिले के क्राइम की समीक्षा की गई। साथ ही पेंडिंग पडे अपराधों को जल्द निराकरण के निर्देश दिए।

श्री सुजानिया ने कहा की महिला और बच्चों के विरुद्ध होने वाली घटनाओं में सूचना प्राप्त होते ही त्वरित कार्यवाही करें। किसी भी थाना क्षेत्र में कोई भी अवैध रूप से ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग ना करें, यदि कोई ऐसा करता है तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। गंभीर अपराधों में जमानत निरस्त करने के लिए माननीय न्यायालय में जमानत निरस्तीकरण के आवेदन लगाना और सुनवाई के दौरान अपना पक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करें। फरार आरोपियों की धर पकड हेतु विशेष अभियान चलाए, जिला बदर, गुंडे और हिस्ट्री शीटर को थाना प्रभारी, बीट प्रभारी के माध्यम से सतत रूप से चेक करे, ताकि आपराधिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जा सके। तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के रुप में एनडीपीएस के प्रकरणों में वित्तीय अनुसंधान कर सफेमा की कार्रवाई संपादित करें। अवैध गोवंश की तस्करी पर रोकथाम के लिए पूर्व आरोपियों को चिन्हित कर उनके उप्पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करें, साथ ही सूचना तंत्र को मजबूत करें। थाना क्षेत्र में जुए सट्टे का संचालन ना हो इस पर विशेष निगरानी रखकर कार्रवाई संपादित करें। आमजन में भयमुक्त माहौल निर्मित करने के लिए थाना प्रभारी सांध्यकालीन गणना बाद अपने फ़ोर्स के साथ पैदल भ्रमण करें। स्कूल कॉलेज के बाहर सतत रूप से चेकिंग चलाई जाए, ताकि कोई भी आसामाजिक तत्व वहां पर खडा ना हो। साथ ही स्कूल कॉलेज के बाहर अवैध रूप से गुमटियों को नगरीय एवं ग्रामीण निकाय के माध्यम से हटवाने की कार्यवाही करवाए। महिला संबंधी अपराधों के शीघ्र निराकरण हेतु तत्काल गिरफ़्तारी कर 60 दिवस में चालान न्यायालय में प्रस्तुत करे ताकि शीघ्र विचारण हो सके।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर गति बन रही हादसों का कारण

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे जिस सेक्शन में तैयार हो गया, वहां ट्रैफिक खोल दिया गया है। करीब 1385 किमी लंबे पूरे रूट को एक साथ खोलने में अभी सालभर लगेगा, लेकिन जहां चालू हो गया, वहां कई चुनौतियां भी सामने आ रहीं। इनमें से एक है गर्मी में ओवर स्पीड ड्राइविंग और इसके कारण होने वाले हादसे।

एक्सप्रेस-वे पर हर एक किलोमीटर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और इन्हीं से वाहनों की स्पीड डिटेक्ट की जा रही है। इसी रिपोर्ट के मुताबिक औसत 10 से 12 फीसदी कारें ओवर स्पीड जा रही है। इस कारण टायर फटने से हादसे हो रहे हैं। पूरा एक्सप्रेस-वे चालू होने के बाद वाहनों की तादाद बढ़ेगी और इसी अनुपात में एक्सीडेंट भी बढ़ेंगे। इसलिए स्पीड नियंत्रण के साथ सेफ्टी को लेकर वाहन चालक-मालिकों को जागरूक करना होगा।

बता दें कि एक्सप्रेस-वे पर जनवरी से मई के बीच 108 हादसे हो चुके हैं, इनमें ज्यादातर ओवर स्पीड है। एनएचएआई ने इनका डेटा रतलाम ट्रैफिक पुलिस को ई-चालान की कार्रवाई के लिए उपलब्ध करवाया है। ताकि भविष्य में चालक ध्यान रखें। एक्सप्रेस-वे पर इस तरह की लापरवाही ना करें।

एक्सपर्ट और टॉयर कंपनी शोरूम प्रोपाइटरों का कहना है कि टायर में वायुमंडलीय हवा की बजाय नाइट्रोजन उपयोग करें, ये शोरूम अथवा पेट्रोल पंप पर सहज उपलब्ध है। नाइट्रोजन ठंडा रहता है और सामान्य हवा की तरह तापमान बढने-घटने पर फैलती या सिकुडते टायरों पर विभिन्न इंडेक्स रहते हैं, जिसे नहीं है। वहीं 200 शोरूम एक्सपर्ट से समझें, फिर लें। कुछ किमी की यात्रा के बाद छोटा ब्रेक लें। टायर इंडस्ट्री प्रत्येक टायर को टेस्ट करके उसके उप्पर लोड, स्पीड, वेलनेस इंडेक्स इत्यादि अंकित करती है। इसे ध्यान से पढ़ें। टायर स्पीड रेटिंग देखकर खरीदें, जैसे 120 किमी से लेकर 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार का संकेतक है। ऐसे ही अलग अलग रेटिंग है। जिसका चार्ट टरनेट सर्च कर लें। ट्रेड वीयर इंडेक्स मतलब टीडब्ल्यूआई टायर की वॉल पर त्रिकोण आकार में बना रहता है। इस लेवल तक टायर घिसने पर तुंरत टायर बदलें। कुछ न समझ आए तो टायर शोरूम पर टायर की हेल्थ रिपोर्ट चेक करवा लें।

150-170 की गति...

एक्सप्रेस-वे पर इंटरचेंज पॉइंट की इंट्री और एक्जिट के अलावा बीच में कहीं टोल बैरियर नहीं है और ना ही कोई ब्रेकर है। इसलिए कई वाहन ओवर स्पीड चल रहे। इसके कारण टायर गर्म होकर फट रहे। एक्सप्रेस- वे को अधिकतम 120 किमी घंटे की रफ्तार से डिजाइन किया गया है। लेकिन कई कार चालक 150 से 170 की रफ्तार में वाहन दौड़ा रहे। सिर्फ कार ही नहीं बल्कि 5 से 8 फीसदी ट्रक भी 100 या इससे अधिक स्पीड में चल रहे। जबकि, एक्सप्रेस-वे पर ट्रकों के लिए स्पीड लिमिट 80 किलोमीटर प्रति घंटे की तय है। इसलिए ट्रक भी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अब इस नई चुनौती से निपटने के प्रयास में जुटा है।

इनका कहना...

ओवर स्पीड के कारण टायर फटने से हादसे हो रहे हैं। एक्सप्रेस-वे की वन-वे साइड पर पहली लेन 80 किमी ट्रक के लिए, दूसरी 100 किमी बस, तीसरी 120 किमी कार तथा चौथी लेन ओवर टेक के लिए है। इसी अनुसार रोड मार्किंग कर रहे हैं। वहीं ओवर स्पीड वाहनों का डेटा हर महीने ट्रैफिक पुलिस को उपलब्ध करवा रहे है। ताकि वे ई-चालान बनाकर जुर्माना वसूल सकें। एक्सीडेंट नियंत्रण के अन्य उपाय पर मंथन जारी है।

संदीप पाटीदार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई मप्र

मामला अंडर-16 कोचिंग बैन का...

नियम तो बनाया कार्रवाई का अधिकार किसी को भी नहीं!

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार की कोचिंग सेंटर्स को लेकर बनी गाइडलाइन को लागू करने का जिम्मा यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार और कॉलेज के प्राचार्यों को सौंप दिया है। इधर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार और प्राचार्य के पास कार्रवाई का कोई अधिकार ही नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार का ये आदेश सिर्फ रस्म अदायगी है। अफसरों ने इस आदेश से केंद्र का फरमान भी पूरा कर दिया है और कोचिंग सेंटर्स पर मेहरबानी भी दिखा दी है। यही वजह है कि कोचिंग संचालक अभिभावकों से कह रहे हैं कि एमपी में 16 से कम उम्र वालों के कोचिंग में एडमिशन पर कोई बंदिश नहीं है। कोचिंग संचालक तो ये भी कह रहे हैं कि मध्यप्रदेश में इसका कोई कानून ही नहीं है। ऐसे सरकारी आदेश का कोई मतलब ही नहीं है। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दीपक तिवारी कहते हैं कि सरकार को अगर गाइडलाइन लागू करवानी है तो जिला कलेक्टरों को ये अधिकार देना चाहिए थे। कलेक्टर के पास एनफोर्समेंट के कम से कम 300 कानून होते हैं, जबकि, प्राइवेट और सरकारी यूनिवर्सिटी के कुलसचिव, प्राचार्यों के पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है, जिससे वह कोचिंग संस्थानों को नियंत्रित कर सकें।

विचार-मंथन

जीवाणु–रोधी उपायों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत

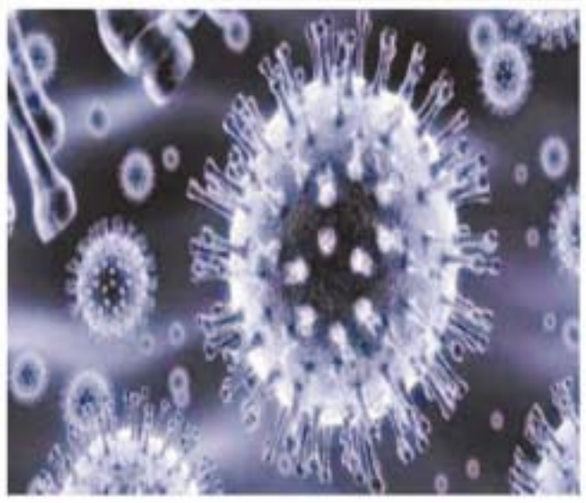

हमारे जीवन में बहुत सारी बीमारियां स्वच्छता संबंधी आदतें न अपनाने और जीवाणु-रोधी उपायों पर गंभीरता से ध्यान न दे पाने की वजह से पैदा हो रही हैं। लांसेट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि अगर ठीक से संक्रमण रोकने संबंधी उपाय किए जाएं तो निम्न-मध्यम आय वाले देशों में करीब साढ़े सात लाख जान बचाई जा सकती है। इन उपायों में हाथों की सफाई, अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में नियमित रूप से साफ-सफाई, उपकरणों का रोगाणुनाशन, पीने के लिए स्वच्छ जल मुहैया कराना, सही तरीके से साफ-सफाई रखना और बच्चों को सही समय पर टीके लगवाना शामिल है। अनुसंधानकर्ताओं के अंतरराष्ट्रीय दल ने अनुमान लगाया कि हर वर्ष दुनियाभर में होने वाली हर आठ मौत में से एक का कारण जीवाणु संक्रमण होता है। अनुसंधानकर्ताओं ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध की स्थिति से प्रभावी तौर पर निपटने के लिए लोगों की एंटीबायोटिक तक आसान पहुंच मुहैया कराने का आह्वान किया है। अगर ऐसा न किया गया तो बच्चों को बचाने और उन्हें लंबे समय तक स्वास्थ्य रखने के संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मुश्किलें बनी रहेंगी। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को नियमित टीके लगाकर करीब 1.82 लाख लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह कोई कठिन काम नहीं है, मगर अफसोस कि एक बड़ी आबादी इन सुविधाओं से वंचित है। जिस तरह जलवायु परिवर्तन के खतरे बढ़ रहे हैं, उनका सबसे अधिक असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। नए-नए किस्म के जीवाणु पैदा हो रहे हैं और अगर समय रहते उन पर काबू न पाया जाए, तो वे जानलेवा साबित होते हैं। हालांकि अनेक संक्रामक रोगों पर काबू पाने के मकसद से गर्भवती महिलाओं और बच्चे के पैदा होने के बाद से ही टीके लगाए जाने शुरू हो जाते हैं। मगर इसमें भी बहुत सारे लोग अनजाने में या स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच न हो पाने के कारण लापरवाही बरतते देखे जाते हैं। पोलियो इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें वर्षों से पोलियो की खुराक दी जाने के बावजूद देश अभी तक पूरी तरह पोलियोमुक्त नहीं हो पाया है। मलेरिया, हेपेटाइटिस, जापानी बुखार जैसी बीमारियां जब-तब सिर उठा लेती और जानलेवा साबित होती हैं। इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि हमारे देश की एक बड़ी आबादी प्रदूषित वातावरण में रहने और काम करने को मजबूर है। एक बड़ी आबादी आज भी पीने के साफ पानी से महरूम है। ऐसे में संक्रामक बीमारियों पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। दूसरी बड़ी समस्या तमाम दावों और वादों के बावजूद सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को संतोषजनक न बनाया जा सकना है। इसलिए एंटीबायोटिक दवाओं की उपलब्धता सभी तक संभव नहीं हो पाती। महानगरों में फिर भी कुछ बेहतर स्थिति देखी जा सकती है, पर ग्रामीण इलाकों के बहुत सारे लोग स्वच्छता उपायों के मामले में वंचित ही देखे जाते हैं। बड़ी आबादी को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं है, इसलिए नहाने-धोने, साफ-सफाई के मामले में लापरवाह देखे जाते हैं। उन इलाकों में जब संक्रामक रोग फैलते हैं, तो संभालना मुश्किल हो जाता है। यह अकारण नहीं है कि संक्रामक रोगों से ज्यादातर शिशु मृत्यु ऐसे ही इलाकों में होती है, जहां स्वच्छता की कमी है। लांसेट के ताजा अध्ययन पर सरकारें कितनी गंभीरता से ध्यान देंगी, देखने की बात है।

तीसरी टर्म के लिए आश्वस्त मोदी ने कई गुत्थियां सुलझा दी?

अजय सेतिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार चुनावों में मीडिया की दस साल की सारी नाराजगी दूर कर दी कि वह मीडिया से बात क्यों नहीं करते। उन्होंने कई छोटे बड़े विजुअल और प्रिंट मीडिया को इंटरव्यू दिये। यहां तक कि क्षेत्रीय भाषाई न्यूज चैनलों और प्रिंट मीडिया को भी जम कर इंटरव्यू दिए, भले ही उनके पत्रकारों को सवाल हिन्दी या अंगरेजी में पूछने पड़े और मोदी ने जवाब हिन्दी में ही दिए। आज तक किसी भी प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय भाषाओं के विजुअल और प्रिंट मीडिया को इतने इंटरव्यू नहीं दिए थे, जितने नरेंद्र मोदी ने पिछले दो महीनों में दे दिए। पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी ने रजत शर्मा को चुनावों की शुरुआत में इंटरव्यू दिया था। दोनों ही बार रजत शर्मा को दिए गए मोदी के इंटरव्यू ने चुनाव का एजेंडा सेट किया था, जिससे मोदी को विपक्ष पर भारी पड़ने में मदद मिली थी। जबकि इस बार उन्होंने इस हथियार का चुनावों में इस्तेमाल ही नहीं किया। मोदी चाहते तो रजत शर्मा को पहले भी इंटरव्यू दे सकते थे, क्योंकि रजत शर्मा का इंटरव्यू अलग किस्म का जनता के बीच होता है, जहां जनता को भी सवाल पूछने का मौका दिया जाता है। लेकिन मोदी ने 438 सीटों यानी 80 प्रतिशत सीटों पर चुनाव हो जाने के बाद संभवत अपना आखिरी इंटरव्यू रजत शर्मा को दिया। अब जबकि सिर्फ 115 लोकसभा सीटों पर चुनाव होना बाकी रह गया है, तो भारत मंडपम में सैंकड़ों दर्शकों

के सामने हुए इंटरव्यू का उन्हें कोई चुनावी लाभ होता नहीं दिखता। इंटरव्यू से एक दिन पहले 22 मई को दिल्ली में रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था कि पांच चरणों के चुनावों ने ही भाजपा की जीत तय कर दी है। यह कहने के बाद भारत मंडपम में हुआ इंटरव्यू जीत से पहले के जश्न जैसा था। नरेंद्र मोदी की बॉडी लैंग्वेज साफ़ बता रही थी कि उन्हें अपनी जीत में कोई आशंका नहीं है। इसीलिए उन्होंने अपने भविष्य के एजेंडे की तरफ भी इशारा कर दिया कि तीसरी टर्म में भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई का अब प्रचंड रूप सामने आएगा। जब रजत शर्मा ने कहा कि उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले समाज में यह धारणा थी कि राजनीतिज्ञ एक दूसरे की सुरक्षा करते हैं, बड़ी मच्छलियों पर हाथ नहीं मारते, तो मोदी ने कहा कि परिवारवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई और तेज होगी और तीसरी टर्म में वह बड़े से बड़े चोर को पकड़ेंगे। अगर यह भी उनकी गारंटियों में से एक है तो उनकी यह गारंटी सोनिया, राहुल, केजरीवाल और हेमंत सोरेन के लिए भी एक इशारा है। केजरीवाल अपनी शिक्षा, स्वास्थ्य योजनाओं का खूब प्रचार करते हैं, वह यह भी कहते हैं कि मोदी ने अच्छी शिक्षा देने वाले शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया, लेकिन वह यह नहीं बताते कि सिसोदिया शिक्षा मंत्री के साथ शराब मंत्री भी थे। मोदी ने केजरीवाल और सिसोदिया पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि शिक्षा नीति के नाम पर ढोंग करने वालों ने हर स्कूल के पास शराब का ठेका खोल दिया था। बिना केजरीवाल का नाम लिए मोदी ने कहा कि जो सब जगह बेनकाब हो गए हैं, वे न्यायपालिका का सहारा ले रहे हैं। यह कह कर मोदी ने ज्यूडिशियरी को भी बता दिया है कि वह इस्तेमाल हो रही है। उसे अपनी साख बचाने के बारे में सही वक्त पर सोच लेना चाहिए। मोदी ने अरविन्द केजरीवाल के बार बार बच निकलने की ओर इशारा करते हुए कहा कि जो एक्सपर्ट चोर होता है, उसे कई रास्ते पता होते हैं। जो खुद आईआरएस रहा है, उसे कई रास्ते पता हैं। अरविन्द केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए दी गई अंतरिम जमानत की देश भर में आलोचना हुई है। संभवत मोदी का इशारा इसी तरफ था। मोदी के इस इंटरव्यू के 36 घंटे बाद दिल्ली में चुनाव होना है। अरविन्द केजरीवाल जेल से छूटने के बाद से नरेंद्र मोदी पर हमलावर हैं। अरविन्द केजरीवाल ने ही पिछले दिनों कहा था कि 75 साल की उम्र पूरी होने पर मोदी प्रधानमंत्री पद छोड़ देंगे और अमित शाह को प्रधानमंत्री बना देंगे। हालांकि पता नहीं केजरीवाल ऐसा क्यों कहते घूम रहे हैं। शायद उन्हें लगता है कि मोदी बहुत लोकप्रिय हैं, उनके नेतृत्व में भाजपा चुनाव नहीं हारेगी, लेकिन अगर यह कहा जाए कि मोदी अपने नाम पर वोट ले कर अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाएंगे, तो शायद जनता में भाजपा के प्रति उत्साह कम हो। लेकिन नरेंद्र मोदी ने कह दिया है कि उन्हें ईश्वर ने खास प्रयोजन के लिए भेजा है, इसलिए जब तक वह खुद नहीं बुलाते, तब तक वह काम करते रहेंगे। इस तरह उन्होंने साफ़ घोषणा कर दी है कि भाजपा सत्ता में रहेगी तो वह जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी की तरह मरते दम तक प्रधानमंत्री रहेंगे। या फिर राष्ट्रपति बनेंगे, क्योंकि उन्होंने काम करते रहने की बात कही है। अब जब कि 80 प्रतिशत सीटों पर चुनाव हो चुका है और 20 प्रतिशत सीटों पर चुनाव बाकी पड़ा है, तो नरेंद्र मोदी ने भी एक तरह से मान लिया है कि एनडीए को 400 सीटें नहीं मिलने वाली। विपक्ष पर चुटकी लेते हुए मोदी ने कहा कि वह 400 के नारे में फंस गया, तीसरे चरण तक तो विपक्षी नेता इसी बात पर उलझे रहे कि 400 सीटें नहीं आएंगी। उनके कहने का मतलब था कि उन्होंने तो चूहे पकड़ने की चूहेदानी रखी थी, विपक्ष उसी में फंस कर रह गया। जब एक दर्शक ने उनसे पूछा कि भारत में यह धारणा है कि सब नेता अपने बच्चों के लिए मेहनत कर रहे हैं (तिजौरियां भर रहे हैं) लेकिन आप के आगे पीछे तो कोई नहीं, फिर आप इतनी मेहनत क्यों कर रहे हैं, तो मोदी ने दो टूक कहा कि वह देश के लिए जी रहे हैं, अपने परिवार के लिए नहीं जी रहे। बिना लालू यादव का नाम लिए उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अपने पांच पांच बच्चों (हालांकि लालू यादव के नौ बच्चे हैं) के लिए संपत्ति जोड़ी है, लेकिन मेरा परिवार सारा देश है, 140 करोड़ लोग हैं, वह उन सब के लिए मेहनत कर रहा हूं। मोदी ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार और मुस्लिम तुष्टिकरण पर अपने हमले जारी रखते हुए संकेत दिया कि उनकी तीसरी टर्म में ये तीनों ही वर्ग उनके निशाने पर रहेंगे। परिवारवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए उन्होंने सोनिया गांधी के रायबरेली में दिए गए भाषण का बिना उनका नाम लिए जिक्र किया।

मैं चाहे जो भी करूं मेरी मर्जी...

पूरन चंद सरीन

इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार, जब कोई विशेष कानून बनाती है जैसे कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, बहुत सोच समझकर और हरेक चीज का बारीकी से ध्यान रखकर काम करती है। अब इन कानूनों और इनके अन्तर्गत दिए गए प्रावधानों पर अमल न के बराबर हो तो फिर इनका दुरुपयोग होना तो निश्चित ही है। किशोर यानी 16 से 18 वर्ष की आयु में यदि लड़के या लड़की से साधारण या गंभीर या फिर जघन्य अर्थात इंसानियत को झिंझोड़ने जैसा अपराध होता है तो इसके लिए 8-9 साल पहले बना कानून इन्हें अपना जीवन एक नए सिरे से शुरू करने और अपराध न करने की मानसिकता बनाने का रास्ता दिखाता है। अब हमारे देश में क्योंकि इस कानून पर अमल ही नहीं हुआ और हुआ भी तो वह केवल लीपापोती की श्रेणी में आएगा तो फिर इसका दुरुपयोग तो होना तय है। वकील, पुलिस और अदालतों से अपने मुताबिक फैसले लेने वालों की कोई कमी तो है नहीं, इसलिए कानून को भाड़ झोंकने भेज दिया जाता है और 'मैं चाहे जो भी करूं मेरी मर्जी' हावी हो जाती है। कानून के गलत इस्तेमाल के सबसे बड़े उदाहरणों में एक तो निर्भया मामला था और दूसरा पुणे में एक नाबालिग द्वारा शराब पीकर अपनी महंगी गाड़ी से 2 लोगों को यमलोक पहुंचा देना। इसलिए जरूरी हो जाता है यह समझना कि आखिर कानून का ऐसा करने वालों के लिए सुरक्षा कवच की तरह बन जाना कैसे संभव हो जाता है? सबसे पहले यह जान लीजिए कि यह कानून ऐसे किशोर वर्ग के लिए बना था जो यदि ऐसा अपराध करते है जिसकी सजा किसी बालिग को 7 या अधिक साल की दी जा सकती है तो उन्हें एक अवसर मिलना चाहिए कि वे अपने को बदल सकें और दोबारा कोई जुर्म न करें। इनमें वे किशोर आते हैं जिन्हें उनके घरों से निकाल दिया गया हो, सड़कों पर भीख मांगते हों, उनसे कल कारखानों में मजदूरी करवाई जाती हो, अनाथ हों, यौन हिंसा के शिकार हों, खरीदा या बेचा जाता हो, नफरत से देखा जाता हो, असहाय हों, नशे की लत लग गई हो, उनकी सुध लेने या सुरक्षा करने वाला कोई न हो। वे बड़े यानी बालिग होकर अपराधी, हिंसक और समाज के लिए खतरा न बन जाएं, कानून बनाकर उनकी हिफाजत करने और अच्छा जीवन व्यतीत करने की व्यवस्था की जानी थी। प्रश्न उठता है कि क्या 18 वर्ष का होते ही उनके साथ बालिगों जैसा व्यवहार होगा? इसकी भी व्यवस्था इस कानून में है। किशोर आयु के अपराधियों के साथ 21 वर्ष का होने तक इसी कानून के अनुसार व्यवहार किया जाएगा। यदि अधिकतम सजा अर्थात 7 साल की अवधि पूरी नहीं हुई तो उन्हें जेल या किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में बाकी समय के लिए रखा जा सकता है। अब कानून को अपनी मर्जी से कैसे अपने मुताबिक किया जाता है, यह देखते हैं। निर्भया मामले में नाबालिग अपराधी गरीब वर्ग का था लेकिन सब से अधिक हिंसक भी वही था। वह बरी हो गया और भगवान जाने अब कहां होगा, क्या कर रहा होगा, फिर से अपराध करने लगा होगा या सुधर गया होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। अब दूसरे मामले में नाबालिग एक अरबपति परिवार से है, उसके लिए दुनिया के सभी ऐशो आराम के साधन तैयार हैं और वह किसी भी तरह से मौजमस्ती कर सकता है, किसी भी कानून को धत्ता बता सकता है और पुलिस तथा प्रशासन और कानून उसके आगे हाथ बांधे खड़े नजर आते हैं। ऐसा इसलिए कि वह जबरदस्त अमीरी में पला है। विडंबना यह है कि उसे सभी तरह की सुरक्षा मिल जाती है, कानून के उन प्रावधानों को अमल में लाया जाता है जो उसके पक्ष में हैं। उसे बालिग यानी समझ से काम लेने वाला बनने में कुछ वक्त बचा है, इसलिए वह मासूम है और उसे बचा लिया जाता है। कानून तो बन गया और बहुत ही बढ़िया, शानदार और वाह वाह करने वाला बना। अफसोस इस बात का है कि उस पर कहीं कोई अमल करने या कानून में स्पष्ट रूप से कहे गए और किए जाने वाले इंतजाम पूरी तरह नदारद हैं। मन में यह विचार आता है कि ऐसा कानून क्यों बना जिस पर अमल नहीं करना है? कानून के अनुसार केंद्र और राज्य सरकारों से उम्मीद थी कि वे संस्थान बनाएंगे, राष्ट्रीय तथा राज्य आयोग गठित करेंगे ताकि किशोर अपराधियों को संरक्षण और उनका समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जाना सुनिश्चित हो। जैसा कि अक्सर होता है, हो सकता है कागजों में यह सब खानापूर्ति कर ली गई हो, विशाल धन राशि मंजूर करने के बाद आपस में उसका बंटवारा हो गया हो और कुछ लोग इस कानून की बदौलत अमीर बन चुके हों? अगर इस कानून पर थोड़ा-सा अमल कर लिया जाता तो सड़कों पर, धार्मिक पूजा स्थलों के बाहर, स्टेशन और अन्य स्थानों पर भीख मांगते किशोर नहीं मिलते अपने खुद के बनाए जख्मों को दिखाकर हमदर्दी की याचना करते दिखाई नहीं देते, किसी माफिया या गैंग के शिकार नहीं बनते अपने शरीर के अंगों की कीमत लगाते नहीं पाए जाते अमानुषिक अपराध नहीं करते, मामूली चोरी चकारी करने से भी दूर रहते क्योंकि इनमें इतना परिवर्तन हो जाता है।

जो नहीं हुआ वह भी ब्रह्मांड ने ही किया

जीवन जीना बहुत सरल है। लेकिन हम सोच-सोचकर उसे मुश्किल बना देते हैं। आनंद में रहना बहुत सरल है लेकिन हम अपने ईगो को पकड़े रखकर उसे मुश्किल बना देते हैं। कभी किसी को अगर किसी मृतक को विदा देने श्मशान जाना होता है, तो वह चिता पर जलते शव को देखकर सहज ही सोचने लगता है ङ्क क्या जो लेकर आए इस दुनिया में, क्या जो लेकर जाएंगे, फिर इतनी लड़ाई, इतना गुस्सा, इतना तेरा-मेरा किसलिए। हालांकि श्मशान में जाकर बुद्ध के समान यूं मन में वैराग्य पैदा होना बड़ी बात नहीं। सभी के साथ ऐसा होता है। इसे श्मशान वैराग्य कहते हैं? श्मशान के गेट से बाहर निकलते-निकलते हम पर फिर से संसार हावी हो जाता है। हमें अपने हिसाब-किताब में उलझने में देर नहीं लगती। क्या आपने कभी गौर किया कि कई बार अपनी मनचाही चीज हासिल न होने पर आपका मन गहरे अवसाद में डूबा जाता है। आपको कुछ भी अच्छा नहीं लगता। वह परिणाम जिसे पाने के लिए आप पिछले कुछ महीनों से, साल भर से तैयारी कर रहे थे, जब समय आया तो वह आपको नहीं मिला। इस नहीं मिलने से आप इतने दुखी हो जाते हैं कि आपको भूख लगना तक बंद हो जाता है। सांस लेना भी भारी लगने लगता है। आपको उस वक्त उन चीजों का जरा भी खयाल नहीं आता जो कि आपके पास होती है। आपके जहन में बस एक ही बात रहती है कि आपने जिस चीज की इच्छा की और पूरे मन से इच्छा की वह आपको नहीं मिली। मनुष्य को प्रकृति ने ऐसा बनाया है कि वह बहुत लंबे समय तक उदास और हताश नहीं रहता सकता। वह अपने लिए कोई न कोई उम्मीद खोज ही लेता है और फिर उस उम्मीद का दामन थाम जिंदगी जीता है। मनचाही चीज न मिलने के बाद कुछ दिन इस न मिलने का मातम बना लेने के उपरांत हम धीरे-धीरे उदासी और निराशा के घेरे से बाहर निकल आते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि कुछ समय बाद ही हमें मनचाही चीज से कोई बड़ी चीज हासिल हो जाती है। आपको दुख हो रहा था कि आप बैंक के पीओ का एग्जाम नहीं पास कर पाए और एक साल बाद आप सिविल सर्विसेज पास कर लेते हो। कहां आप बैंक का प्रोबेशनरी ऑफिसर न बन पाने का दुख मना रहे थे और कहां आप आईएएस ऑफिसर बन जाते हो। जाहिर है कि अगर आप पीओ बन जाते, तो आप आईएएस नहीं बनते। यानी आपने तो पीओ बनने का सोच रखा था लेकिन ब्रह्मांड आपको आईएएस अधिकारी बनाना चाहता था। अब क्योंकि आप खुद तो आईएएस बनना नहीं चाह रहे थे, तो इसीलिए उसने आपको पीओ में फेल किया। यानी जो हुआ वह तो ब्रह्मांड ने किया ही, जो नहीं हुआ वह भी ब्रह्मांड ने ही किया। असल में अगर आप जीवन में प्रसन्न रहना चाहते हैं, आनंद के परम भाव में जीना चाहते हैं, तो आपको पाने और खोने से तो ऊपर उठना ही होगा क्योंकि सच यही है कि आप कुछ भी लेकर नहीं आए और कुछ भी लेकर नहीं जाओगे। लेकिन आपने चूंकि मनुष्य योनि में जन्म लिया है आपमें यह काबिलियत है, यह सामर्थ्य और संभावना है कि आप बिना वजह के ही अतीव आनंद में जीवन जी सकते हो। जिस परमात्मा ने आपको जन्म दिया है, जो परम शक्ति आपको इस संसार में लाई है, उसने इसकी बखूब व्यवस्था की हुई है कि आप अकारण भी आनंद में बने रहो। स्वयं प्रकृति हमेशा आनंद में बनी रहती है। ब्रह्मांड की डिफॉल्ट स्थिति आनंद की स्थिति है। ब्रह्मांड हमेशा ही जीवन के पक्ष में, सकारात्मकता के पक्ष में झुका हुआ रहता है। इसलिए अगर आप ब्रह्मांड से खुद को जोड़े रह सको, तो आप भी हमेशा वसी ही आनंद की स्थिति में बने रह सकते हो। ब्रह्मांड से आशय परम शक्ति से है।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने केजरीवाल के लिए मतदान की अपील की

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5248

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5247

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5248

संकेत: बाएं से दाएं

1. क्रिकेट को यहां हुई ओलम्पिक स्पर्धा से हटाया गया था (1900)(3)
4. मध्यप्रदेश में प्रथम आकाशवाणी केंद्र यहां स्थापित हुआ (3)
7. युवा, तरूण (3)
8. टालना, स्थगित करना (4)
10. जन समूह को यह भी कहते है (4)
12. एक तरह का विस्फोटक रासायनिक गोला (2)
14. आवाज, शगुन, शब्द (2)
15. बदला चुकाने के उद्देश्य से किया गया कार्य, उत्तर (3)
18. लजीला, लज्जावान, छुईमुई का पौधा (2)
21. कुंवर (3)
22. व्रत के बाद पहला भोजन करने की क्रिया, पर करने की क्रिया (3)
23. खिड़की, झरोखा (4)
25. प्रसन्न होने का भाव (2)
26. गेहूं की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)

ऊपर से नीचे

1. पुस्तक, पत्रिका (3)
2. रस्म, प्रथा, रीति (3)
3. बालम्, प्रेमी, साजन (3)
4. मध्यांतर को अंग्रेजी में यह कहते है (5)
5. उन्नति का समय, चढ़ती का समय (2)
6. घुड़सवार का पहुंचना (3)
9. हिंदुओं का एक संस्कार जिसमें नवजात शिशु का नाम रखा या विचार किया जाता है (5)
11. स्वर्ग में रहने वाली अप्सरा या सुंदर स्त्री (2)
13. राजपुत्री, राजा की बेटी (5)
16. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
17. दंगा-फसाद, उपद्रव, बगावत विप्लव (3)
19. 1945 ई.में परमाणु बमों से तबाह नागासाकी और हिरोशिमा इस देश में स्थित है (3)
20. अग्र, श्रेष्ठ स्थान, और पर (2)
24. अरब का, निकली कुल्हा (2)

वर्ग पहेली 5247 का हल

गो	बी		हि	ए	त	ना	म
दा	न	वी	र		ह	म	ला
न		र	ह	म	त		त
	रे		ज	त		है	
दा		भा	र	त		रा	स
क	मा	ई		बा	जी	ग	र
	न	मा	ना		जा		प
कि	ना	रा				जू	ट

गायत्री परिवार व वर्क संस्था ने कालाखेत बावड़ी से 8 साल की गंदगी निकाली

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार व वर्क संस्था द्वारा जल

अभियान के अंतर्गत तीसरे सप्ताह भी स्थानीय कालाखेत स्थित आकाशवाली बावड़ी से 8 साल से व्याप्त गंदगी को बाहर निकाला। गायत्री परिवार के श्रमदानियों ने कहा कि कालाखेत जो कि नगर का मध्य क्षेत्र व व्यवसायिक स्थल होने के कारण यहां की बावड़ी में गंदगी व्याप्त होने से मलेरिया व डेंगू जैसी बीमारी का सामना करना पड़ेगा। जिसको लेकर यहां पर गायत्री परिवार व वर्क संस्था द्वारा सफाई अभियान चलाया।गायत्री परिवार आगे भी सफाई कार्य चालू रखेगा यहां गंदगी बहुत है।

प्रशासन से भी निवेदन किया है कि सभी बावड़ियों का संज्ञान लेना शुरू कर दें। यह सब हमारी पुरानी धरोहर है। नगरपालिका का भी दायित्व है कि इनका संरक्षण करें। शिवना नदी, तेलिया तालाब व कुएं-बावड़ियों का संरक्षण नहीं होगा तो आने वाले समय में हमें भारी पेयजल संकट का सामना करना पड़ेगा। शिवना नदी, तेलिया तालाब व सभी शासकीय बावड़ियां गंदे पड़े है। शासन प्रशासन व सामाजिक संस्थाओ को जन अभियान चलाकर इन्हें साफ व स्वच्छ करना चाहिये। श्रमदानी रमेश सोनी ने कहा कि आज बडा दुख होता है कि बावडी जो अपने जल स्त्रोत है जिसको क्षेत्रवासियों ने डस्टबिन बना दिया है। यहां से श्रमदानियों द्वारा 8 साल की गंदगी को बाहर निकाला जा रहा है। वार्डवासियों का भी कर्तव्य है कि वे इन्हें साफ रखे व गंदगी न करें। अच्छी सोच रखे व अच्छा कार्य करें व जल बचाये। अगर बावडी साफ होगी तो वार्डवासी बावडी के पानी का उपयोग भी कर सकते है। हर्ष शर्मा ने कहा कि जल बचाओं अभियान के नाम से राजनीति करने वालों को भी इस अभियान में सक्रियता से भाग लेना चाहिये। कम से कम सप्ताह में दो घण्टे अवश्य श्रमदान करे। यह शरीर के लिये भी बहुत जरूरी है। मन में भी उर्जा का संचार होता है। वर्क संस्था के फिरोज हुसैन ने कहा कि हम चिकित्सालय में नि:शुल्क भोजन करना, गायत्री परिवार के साथ स्वच्छता अभियान चलाना व पर्यावरण बगीचे को साफ-सफाई एक साल से कर रहे है जो नेकी का कार्य है। हमारी संस्था के सदस्य जहां भी अच्छा कार्य होता है वहां पहुंच जाते है। योगेशसिंह सोम ने कहा कि गायत्री परिवार द्वारा शहरों व गावों मे 2026 तक जल, पर्यावरण, स्वच्छता, नशामुक्ति अभियान का मिशन चल रहा है। जिसमें सभी अपने सहभागिता करें। श्रमदान में फिरोज हुसैन, कन्हैयालाल शर्मा, ललित भाटी, हर्ष शर्मा, योगेशसिह सोम, अशोक धनोतिया, दिनेश पोरवाल, मांगीलाल लक्षकार, शाहीद शाह, मोहित और नपा के विनोद आदि ने भाग लिया।

नपाध्यक्ष ने बावड़ी की सफाई की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार दिनांक 5 जून से 16 जून तक प्रदेश में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का अभियान शुरू होने जा रहा है। इसके अंतर्गत मंदसौर नपा परिषद भी पुरानी बावड़ियों व कुओं की सफाई का कार्य कराने की योजना पर कार्य करने जा रही है ताकि कुएं व बावड़ियां जो की जल स्त्रोत का साधन है वे संरक्षित व पुर्नजीवित रहे। इसी तारतम्य में नपा परिषद कालाखेत स्थित अक्काशावाली बावडी की सफाई की योजना बना रही है। कल सोमवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने वार्ड पार्षद श्रीमती शांति दिनेश फरक्या एवं क्षेत्र के नागरिकों के साथ कालाखेत रोड नं. 5 के समीप स्थित पुरानी अक्काशा वाली बावडी का निरीक्षण किया और मौके पर नपा के अधिकारियों व कर्मचारियों को बुलाकर उनसे चर्चा की और उन्हें निर्देश दिया कि इस बावडी की सफाई की पुरी कार्ययोजना बनाये ताकि यह बावडी अपने पुराने स्वरूप में आ सके। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने गायत्री परिवार के प्रयास की भी सराहना की जो कई सप्ताह से इस बावडी के सफाई कार्य को करा रहे है। प्रति रविवार गायत्री परिवार इस बावडी के सफाई कार्य को करा रहा है। लेकिन साधनों की कमी इसमें बाधक बनी है। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के साथ इस अवसर पर सार्थक संस्था की डॉ. उर्मिलासिंह तोमर, क्षेत्र के प्रमुख नागरिकगण दिनेश फरक्या, ललित भाटी पत्रकार, धर्मेन्द्र राठौर, भाजपा नेता राजेश गुर्जर, शिवनारायण गुर्जर भी उपस्थित थे।

गर्मी के चलते क्षेत्र में आगजनी

भानपुरा, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर सहित तहसील क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी के साथ ही लु भी चल रही है। ऐसे में प्रतिदिन तापमान लगातार बढ रहा है। ऐसे में विभिन्न कारणों के चलते नगर व तहसील क्षेत्र में कहीं ना कहीं आगजनी की घटनाएं घटित हो रही हैं। सोमवार को सुबह करीब 11 बजे भानपुरा नगर के वार्ड क्रमांक 15 भंडारी कॉलोनी ईदगाह के समीप रिहायशी क्षेत्र में खाली पडे प्लाट में स्थित पेड पौधे एवं झाडियों एवं यहां रखी लकडियों में अज्ञात कारण के चलते आग लग गई। भीषण गर्मी के चलते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया आसपास के निवासरत लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन भीषण गर्मी एवं आग के विकराल होने से आग पर काबू नहीं पा सके। सूचना पर नगर परिषद भानपुरा का दमकल मौके पर पहुंचा एवं मशक्कत कर आग पर काबू पाया। रिहायशी क्षेत्र होने से समय रहते भीषण आग पर नगर परिषद के दमकल द्वारा काबू पा लिए जाने से भीषण आगजनी की घटना को रोक दिया गया।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने सेतु विकास निगम के अधिकारियों से चर्चा की

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। संजीत रोड पर नवनिर्मित ओवरब्रीज का कुछ कार्य एवं ओवरब्रिज केनीचे सर्विस रोड का कार्य होना अभी शेष है। ओवरब्रिज के नीचे सर्विस रोड का कार्य नहीं होने से क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में परेशानी आ रही है। इसके कारण वार्ड नं. 3 व वार्ड नं. 4 के क्षेत्र के नागरिकों को काफी परेशान है। उनकी समस्या का समाधान शीघ्र हो इसके लिये नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने भोपाल से आये सेतु विकास निगम के अधिकारियों व तकनीकी टीम के साथ चर्चा की और उनसे आग्रह किया कि वे इस कार्य को शीघ्रता से पूरा कराये ताकि नागरिकों को आवागमन में जो परेशानी आ रही है वह समाप्त हो। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने संजीत रोड ओवरब्रीज पर अधिकारियों को बुलाकर उनसे इस संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर कन्हैयालाल सोनगरा, राजेश गुर्जर भी उपस्थित थे।

पेड़ों को विकास के नाम पर काटकर भविष्य के विनाश की पटकथा लिखी जा रही-डॉ.पाण्डेय

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। वृक्षों को लगाना उनका पालन पोषण करना और उनका धार्मिक अनुष्ठान से पूजन करना यह सनातन संस्कृति का अंग है। वर्तमान समय में जिस तरह से बहुत ही तेज गर्मी पड रही है, टेंपरेचर हाई है उसके पीछे कारण है वृक्षों की अंधाधुंध कटाई करना, वनों को बडे पेमाने पर नष्टकरना और शहरीकरण का बढावा देना है। पेडों की अंधाधुंध कटाई से वर्षद दर वर्ष गर्मी की तपिश बढती जा रही है। आने वाले समय में विकट परिस्थितियों से बचाव के लिये हमें बडे पैमाने पर पौधारोपण करना चाहिए। हमारे आसपास घरों के आगे रोड के दोनों और जहां भी खाली स्थान दिखे वहां पेड लगाना चाहिए जिससे हमारा वातावरण शुद्ध और पवित्र बना रहेगा।

आमजनों से उक्त आव्हान करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रविन्द्र पाण्डेय ने कहा कि हिंदू धर्म में तो कई पेड-पौधों को पूजनीय माना गया है। अपनी सनातन मान्यता है कि तुलसी, बरगद, पीपल और केला जैसे कई पेड-पौधों में देवी-देवताओं का वास होता है, इसलिए पेड-पौधे लगाना बेहद शुभ होता है। वृक्ष धरा के भूषण है, करते दूर प्रदूषण है। उसके बाद भी लोग वृक्षों का बेरहमी से कत्ल कर रहे हैं। हमें इतना तो संकल्प लेना ही चाहिए कि हम हरा वृक्ष नहीं काटेंगे और हर वर्ष एक पौधा लगाकर उसकी देखरेख करेंगे। श्री पाण्डेय ने कहा कि अगर वृक्ष नहीं रहेंगे, तो बारिश भी नहीं होगी। भूगर्भीय जल भी खत्म हो जाएगा। इसलिए सभी संकल्प ले कि वह स्वयं पौधा लगाकर लोगों को भी ऐसा करने की प्रेरित करेंगे। बरसात का मौसम आने वाला है इसलिए हम सबको देश के प्रत्येक नागरिक को संकल्प लेकर पौधारोपण करना, उसका लालन पालन करना और उसको बडा करना होगा। श्री पाण्डेय ने कहा कि कई बार पेडों को विकास के नाम पर काटकर भविष्य के विनाश की पटकथा लिखी जा रही है। प्रशासन को भी चाहिये कि सडक निर्माण या अन्य किसी वजह से पेड काटने से पहले दूसरे पेड लगवाने की कोशिश करनी चाहिए थी। वृक्ष लगाएं, जीवन बचाएं, वृक्ष हमारी धरोहर है, वृक्षों के बिना हमारा जीवन संभव नहीं।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय सम्मेलन 21 जुलाई को

मनासा/सिंगोली, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश मे पत्रकारो के सबसे बडे रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय सम्मेलन कार्यक्रम मे आंशिक परिवर्तन के बाद अब 21 जुलाई रविवार को जिला मुख्यालय नीमच मे आयोजित होगा तय हुआ है। प्रांतीय सम्मेलन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महासचिव चैनसिंह सोलंकी ने बताया की आयोजन को लेकर दिनांक 25 मई शनिवार को जिला कार्यकारणी की बैठक भादवामाता मे आयोजित हुई जिसमे आयोजन की तिथी और स्थान पर विचार विमर्श हुआ जिसमे व्यवस्थाओ को लेकर कार्यक्रम की तिथी और स्थान मे कुछ परिवर्तन करते हुए आयोजन दिनांक 21 जुलाई रविवार ओर आयोजन स्थल जिला मुख्यालय नीमच तय किया गया। संगठन की बैठक मे सर्वानुमति से आयोजन समिती का गठन किया गया जो इस प्रकार है। अध्यक्ष शलभभदौरिया (प्रांतीय अध्यक्ष), उपाध्यक्ष एवं मार्गदर्शक सुरेन्द्र सेठी वरिष्ठ पत्रकार, संयोजक कैलाश राठौर(प्रदेश प्रतिनिधी), सह संयोजक कपिल सिंह चौहान,देशराज सहगल मनासा,सचिव प्रदीप जैन (जिलाध्यक्ष), सह सचिव चैनसिंह सोलंकी (महासचिव), युगल बैरागी नीमच, कोषाध्यक्ष एम डी मंसूरी,पदेन सदस्य राजेंद्र राठौर (संभागिय अध्यक्ष),डाक्टर प्रीतिपाल सिंह राणा (कार्यकारी संभागिय अध्यक्ष),राजेन्द्र अग्रवाल (संभागिय महासचिव), भरत जाट, सतीश व्यास डिकेन, राजेश कोठारी, मुकेश सिंहल पार्टनर, विपीन पुरोहित,हेमंत शर्मा,आशीष बैरागी,सुरेश साहू,विनोद धनोतिया, कोलिया गया। साथ ही आयोजन को लेकर अन्य समितियो का भी गठन किया गया जिसमे आवास वयस्था,पंजियन, जल,भोजन, मंच एवं टेन्ट व्यवस्था, अभिनंदन तथा सम्मान पत्र समिती, प्रचार प्रसार समिती, श्रमजीवी बुलेटिन विशेषांक समिती,वाहन व्यवस्था समिती सहित अन्य आवश्यक समितियो का गठन बैठक मे किया गया।

तीन आरोपी जिला बदर

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत तीन आरोपियों को तीन-तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। आरोपी अनिल उर्फ हरन्या पिता मुकेश ओढ निवासी अठाना पुलिस थाना जावद, आरोपी सत्यनारायण उर्फ सतु पिता नंदलाल निवासी कुकडेश्वर थाना कुकडेश्वर एवं आरोपी सुरजमल पिता केशा बंजारा निवासी सांकरियाखेडी को तीन-तीन माह की अवधि के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। उक्त तीनों आरोपी जिला बदर अवधि में नीमच जिले की राजस्व सीमा तथा समीपवर्ती मंदसौर, रतलाम, शाजापुर, उज्जैन, देवास एवं आगर-मालवा जिले की राजस्व सीमा में जिला बदर अवधि में प्रवेश नहीं कर सकेगें।

सभी सीईओ, सीएमओ पेयजल की समस्याओं का उसी दिन समाधान करें-कलेक्टर

साप्ताहिक अंतर विभागीय एवं मतगणना कार्यो की समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभाग की समीक्षा बैठक एवं मतगणना कार्यों कीं समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। कलेक्टर ने सभी सीईओ, सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि, पेयजल की समस्याओं का समाधान उसी दिन करें। शिकायत आते ही समाधान कार्य में लग जाए। कहीं पर भी पेयजल की समस्याओं को लेकर कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए। पीएचई विभाग सभी जनपद पंचायत सीईओ से प्रतिदिन बात करें तथा शाम तक पेयजल से सबंधित क्या कार्य किए रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी सीईओ और सीएमओ पेयजल समस्या निवारण कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रखें। जिला अस्पताल में मरीजों का बहुत अच्छे से इलाज किया जाए, मरीजों को गर्मी के कारण किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। मरीजों को अच्छे से देखे और इलाज करे। गर्भवती महिला एवं बच्चों की साप्ताहिक जांच की जाए तथा उनके स्वास्थ्य की देखभाल की जाए। पशुपालन विभाग पशुओं के बीमार होने पर उनका इलाज तुरंत हो इसके लिए सभी डॉक्टर को अलर्ट करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सहित सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने अभ्यर्थियों के साथ किया मतगणना केंद्र का निरीक्षण

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने सोमवार की शाम को शासकीय पीजी कॉलेज नीमच में स्थापित मतगणना केंद्र और स्ट्रांग रूम का अभ्यर्थियों के साथ निरीक्षण कर स्ट्रांग रूम की निगरानी के कार्य और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया कलेक्टर के साथ लोकसभा निर्वाचन के अभ्यार्थियों एवं उनके अभिकर्ताओं ने भी मतगणना केंद्र तथा स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था एवं निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया और सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष जताया।

अवैध खनिज परिवहन करते दो वाहन जप्त

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशानुसार एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती डॉ.रश्मि श्रीवास्तव के नेतृत्व में सहा.खनि अधिकारी श्री गजेन्द्र डाबर व्दारा सोमवार को अवैध परिवहन,भण्डारण, उत्खनन के विरूद्व जावद क्षेत्र मे कार्यवाही की गई। खनिज खण्डार पत्थकर के अवैध परिवहन में संलिप्त् दो वाहन म.प्र. खनिज(अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत जप्त किये गये है। जप्ति वाहनों को पुलिस थाना जावद की अभिरक्षा में आगामी आदेश तक सुरक्षार्थ खडा किया गया है।

पुलिस ने धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों को चेक कराया

भानपुरा, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मप्र शासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन कर प्रदेश में सभी स्थानों पर नियम विरूद्ध लगे लाउड स्पीकरों पर कार्यवाही किये जाने संबंधी निर्देश दिये गये है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया द्वारा जिलें के समस्त थाना प्रभारियों को अनाधिकृत रूप से लगे हुए ध्वनि विस्तारक यंत्र पर कार्यवाही कर उनको हटाने संबंधी निर्देश दिये गये है। उक्त दिये गये दिशा निर्देशों के पालन मे भानपुरा थाना प्रभारी रोहित कछावा द्वारा बताया की मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार थाना भानपुरा क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यन्त्रों को चेक कराया गया और लगातार नजर बनाये हुए हैं। भानपुरा थाना क्षेत्र में जांच के दौरान किसी भी धार्मिक स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्र नहीं पाये गये थाना प्रभारी रोहित कछावा ने बताया कि भानपुरा पुलिस लगातार सतत निगरानी कर रही है।

डीएम द्धारा एक आरोपी को थाना हाजरी का आदेश

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रेट श्री दिनेश जैन द्वारा नीमच जिले के एक आरोपी को सदाचार बनाए रखने के लिए म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क-ख) के तहत तीन माह तक सप्ताह में एक दिन थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर व्दारा यादवमण्डी नीमच निवासी सोनु यादव पिता नाहरसिह यादव थाना नीमच सिटी को तीन माह तक सप्ता ह में एक दिन नीमच सिटी पुलिस थाने में सदाचार बनाए रखने के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया गया है।

नपा करा रही है बड़े नालों की सफाई

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर के निर्देश पर प्रतिनिधि नपा परिषद के द्वारा बड़े नालों की सफाई की जा रही है। नगरपालिका के द्वारा पिछले कई दिनों से बड़े नालों की सफाई का कार्य किया जा रहा है। प्रतापगढ पुलिया के नीचे बड़े नाले की सफाई की गई है। शनि मंदिर के आसपास के नाले की सफाई की गई है। मदारपुरा, नरसिंहपुरा नाले की भी सफाई की जा चुकी है। अबला घाट नाला, कालका माता मंदिर, सम्राट मार्केट नाले की भी सफाई की गई है। ताकि नगर के निचले क्षेत्रों में पानी की निकासी के अवरुद्ध होने से जलभराव की स्थिति निर्मित नहीं हो। नपा परिषद के द्वारा आगामी समय में शेष बचे नालों की सफाई का कार्य भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन, पुलिस ने किया मंदिर-मस्जिदों का निरीक्षण

पिपलियामंडी, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद मन्दिर व मस्जिदों के लाउड्स स्पीकर को हटाया जा रहा इसको लेकर पुलिस विभाग अलर्ट मोड पर है। मल्हारगढ टीआई राजेन्द्र पंवार ने क्षेत्र मस्जिदों व थाना क्षेत्र के सभी गांव में मंदिरों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। टीआई पंवार ने बताया जांच के दौरान कहीं भी लाउडस्पीकर नही पाए गए। क्षेत्र में मंदिर, मस्जिदों पर लाउडस्पीकर प्रतिबंधित है, अगर इसके बाद भी कोई लाउडस्पीकर का उपयोग करता है तो इसकी सूचना पुलिस को देवे, उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

इलेक्ट्रानिक स्कूटी सड़क पर जलकर खाक

भानपुरा, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को भानपुरा झालावाड रोड मार्ग पर

भानपुरा से 5 किलोमीटर दूर नीमथुर गांव के समीप मांदलिया वेयर हाउस के सामने इस भीषण गर्मी में एक इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी में अचानक आग लग गई जब तक आग बुझाई जाती स्कूटी जलकर खाक हो गई। मिली जानकारी के अनुसार भीषण गर्मी में शाट सर्किट हो जाने से स्कूटी बेहद गर्म हो गई ओर उसने आग पकड ली तब तक आग बुझाई जावे तब तक स्कूटी पुरी तरह जलकर खाक हो गई। स्कूटी ग्राम पंचायत रतनपुरा के पुर्व सरपंच बगदुसिह चौहान की थी, सुचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि शाट सर्किट से स्कूटी ने आग पकडी व देखते ही देखते पुरी तरह जल गई।

अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जन्म जयंती समारोह का शुभारम्भ 31 को

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। होल्कर राजवंष की लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का 300 वां जन्म जयंती समारोह का शुभारम्भ 31 मई 2024 को अभय

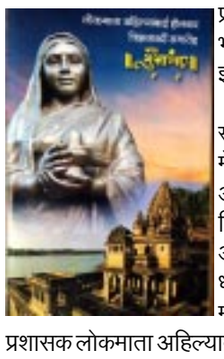

प्रशाल, इन्दौर में सायं 5.30 बजे ज्योतिर्मठ अवांतर भानपुरा पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंदजी तीर्थ के पावन सानिध्य में किया जाएगा।

उक्त जानकारी देते हुए जगद्गुरू सेवा समिति के रूद्र पराशर ने बताया कि शिवभक्त, पुण्यश्लोका के रूप में जन-जन में विख्यात विदुषी नारी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर, जिनसे इन्दौर की पहचान है, जिन्होंने रामेश्वरम से करांची व अटक से कटक तक असंख्य तीर्थ नगरियों में घाट, मंदिर, बावडी, धर्मशालाओ का निर्माण कर भारत की एकात्मता का मार्ग प्रशस्त किया, ऐसी जनप्रिय, दूरदृष्टा एवं कुशल प्रशासक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में उनकी लोकगाथाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देष्य से पूरे वर्ष देश भर में कार्यक्रम आयोजित होंगे। देश की प्रमुख भाषाओं में लोकमाता के साहित्य का प्रकाशन किया जाएगा और तीर्थ स्थलों के चित्रों सहित एक टेबल बुक का प्रकाशन होगा, जिसमें ललित कला आदि के माध्यम से देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन को जन जन तक पहुंचाया जाएगा। यह आयोजन देश के प्रमुख महानगरों एवं विश्वविद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे। इस हेतु लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिषताब्दी समारोह समिति का गठन किया गया है, जिसमें पद्मविभूषण सोनल मानसिंह तथा पद्भूषण सुमित्रा महाजन संरक्षक हैं, जबकि अध्यक्ष शिक्षाविद चन्द्रकला पाडीया तथा कार्याध्यक्ष होल्कर राजवंश उदयसिंह राजे होल्कर हैं।

रश्मि श्रीमाल विजेता और निदिश मित्तल रहे उपविजेता

विनर क्लब द्धारा आयोजित स्वामी विवेकानंद शतरंज प्रतियोगिता का हुआ समापन

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था विनर क्लब परिवार द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानन्द शतरंज प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में अतिथि के रूप मे भारत विकास परिषद नेशनल प्रोजेक्ट मेम्बर गुरूवंदन छात्र अभिनव श्रीमती रेखा पोरवाल, चाष्ट सेवा संस्थान डायरेक्टर श्रीमती चंदा चाष्ट, समाजसेविका श्रीमती ममता पालीवाल व मंदसौर जिला व्हालीवॉल कोच कु. आस्था भावसार, भारत विकास परिषद के प्रांतीय महासचिव घनश्याम पोरवाल, क्लब अध्यक्ष विजय गेहलोद मंचासीन थे।

प्रारंभ में अतिथियों ने भारत माता व स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत मोती की माला पहनाकर सभी पदाधिकारियों ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने कहां की विनर क्लब बच्चों एवं युवाओं को खेल के प्रति जागृत करने का कार्य सदैव करता रहा है। क्लब द्वारा पारंपरिक खेल गुल्ली डंडा, खो-खो कबड्डी, वॉलीबॉल शतरंज, क्रिकेट के साथ ही बच्चों के बौद्धिक विकास के लिये सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित करता है। स्वागत उद्बोधन देते हुए मातृशक्ति वाहिनी की वरिष्ठमधु नाराणिया ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के बताये मार्ग पर चलकर विनर क्लब के समस्त पदाधिकारियों, मातृशक्तियो एवं समाजसेवियों के सहयोग से यह क्लब निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

ये रहे विजेता- क्लब के संस्थापक ब्रजेश सेन मारोठिया ने

शतरंज प्रतियोगिता में कुल 15 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें विजेता रहे रश्मि श्रीमाल एवं उपविजेता निदिश मित्तल को ट्राफी, प्रमाण पत्र एवं नगद राशि प्रदान की गई। साथ ही शेष खिलाडि आकाश, अर्हम, हर्षवर्धन, ईशान, निहाल, प्रक्षाल, पलाक्ष, प्रतीक, पुन्या, राशि, सौम्या, वैदिक, विनायक व विशाला को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र दिये गये। इस अवसर पर क्लब के मधुनाराणिया, मालती गेहलोत, सीमा चौरडिया, राखी मण्डोवरा, संजय मण्डोवरा, विजय गेहलोद, शंभुसेन राठौर, शुभम मारोठिया, ब्रजेश सेन मारोठिया, शतरंज एसोसिऐशन के श्री जादौन, विनित कोठारी, कृश कोठारी, देवेन्द्र पडियार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राखी मण्डोवरा ने किया एवं आभार मालती गेहलोद ने माना। उक्त जानकारी सीमा चौरडिया ने दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	62	2300	2397
उडद	0000	0000	0000
सोयाबीन	4215	4290	4820
गैहु	4100	23000	2397
चना	622	6300	7000
मसुर	264	5500	6100
धनिया	170	5500	7500
लहसुन	13300	5500	21200
मैथी	1200	5400	6200
अलसी	1605	6200	6550
सरसो	842	5420	5550
तारामीरा	2	4871	4871
इसबगोल	166	10301	14720
प्याज	1750	250	1200
कलोंजी	35	14500	21201
डॉलर	70	7500	10300
तिल्ली	27	12000	12861
मटरसुखी	8	3300	5800
असालीया	112	9800	10493

मारपीट मामले में पुलिस ने की फौरी कार्रवाई, सर्व हिन्दू समाज ने सौंपा ज्ञापन

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कुछ दिन पहले मंदसौर शहर कोतवाली के समीप रेडीमेड कपडो की दुकान में घुसकर मारपीट करने के मामले में सर्व समाज ने सोमवार को ज्ञापन सौपा और कहा कि आरोपियों पर मामूली धाराओ में कायमी की गई है, जिससे आरोपी छूट गए। अब फरियादी की दुकान के सामने रेकी की जा रही है, जिससे भय का वातावरण बन रहा है।

इस मामले को लेकर सोमवार को सर्व हिन्दू समाज के लोग बडी संख्या में एकत्रित होकर पुलिस कप्तान के कार्यालय पहुंचे। जहां सीएसपी सतनाम सिंह नेगी को एक ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के अवैध मकानों पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर सर्व हिन्दू समाज द्वारा उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को कोतवाली से कुछ दूरी पर स्थित रेडीमेड कपडो की दुकान में घुसकर कुछ युवकों ने मारपीट की वारदात को अंजाम दिया था। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का एक वीडियो भी सामने आया था। मामले में दुकान संचालक चिराग राठौर की शिकायत पर आरोपी सोबान, काला, आमीन के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने मारपीट का प्रकरण दर्ज किया था। अब आरोप है कि पुलिस ने मारपीट की मामूली धाराओं में केस दर्ज किया और फिर आरोपियों को छोड दिया। जिसके बाद आरोपी फरियादी के दुकान के आसपास घूमकर रैकी कर रहे हैं। इससे फरियादी भयभीत है।

अब ड्रोन से होगा खदानों का सर्वे

भोपाल/मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में अवैध रेत खनन का काम लगातार जारी है। इसको लेकर खनिज विभाग भी सवालों के घेरे में है। हालांकि, अब अवैध खनन को रोकने के लिए सरकार गंभीर नजर आ रही है। रेत सहित खनिज के अवैध परिवहन और भंडारण को रोकने के लिए राज्य सरकार मंदसौर सहित 40 जिलों में एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित चेक पोस्ट लगाएगी। यह चेक पोस्ट पूरी तरह से मानव रहित होंगे।

आगामी 10 माह में एआइ चेक पोस्ट व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। अवैध परिवहन की राज्य और जिला स्तरीय कमांड सेंटर से वाहनों की निगरानी की जाएगी। चेक गेट के साफ्टवेयर को ई-टीपी जारी करने वाले पोर्टल के साथ एकीकृत कर बिना रायल्टी का भुगतान कर परिवहन करने वाले वाहन मालिकों के विरुद्ध अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है।

इसके तहत वाहनों पर आरएफ (रेडियो फ्रीक्वेंसी) टेग लगाया जाएगा, जिससे वाहन की वैधता की जांच की जा सकेगी। वहीं, रेत सहित समस्त खदानों की जियो फेसिंग की जा रही है। इसके लिए सेटेलाइट इमेज का उपयोग किया जाएगा। जिस क्षेत्र में रेत खदानें हैं, उनकी जियो फेसिंग होगी। जिसके बाद आवंटित क्षेत्र के बाहर रेत का उत्खनन नहीं किया जा सकेगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश की तर्ज पर समस्त खनिज परिवहन करने वाले वाहनों को जीपीएस युक्त किया जाएगा और एआइ चेक पोस्ट से गुजरने पर वाहनों की जांच व निगरानी की जा सकेगी।

खदानों का ड्रोन से होगा सर्वे...

प्रदेश की खदानों का का ड्रोन सर्वे कराया जाएगा। जिस के लिए प्रारंभिक चरण में तीन रेत खदानों का ड्रोन सर्वे एक माह में आरंभ किया जाएगा। ड्रोन सर्वे के माध्यम से खदानों से उत्खनित एवं भंडारित मात्रा का आंकलन किया जा सकेगा।

मतगणना के लिए– आगामी 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होगी। जिसके लिए अधिकारियो, कर्मचारियो को ट्रेनिग दी जा रही है। वहीं कालेज से लेकर श्री कोल्ड चोराहा तक अनाउंस के लिए लाउडस्पीकर लगा दिए गए है।

मतदान कर्मी प्रशिक्षण में बताई गई बातों का ध्यान रखें- कलेक्टर

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। आगामी 04 जून 2024 को लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना के कुशलतापूर्वक संपादन हेतु जिले के कुशाभाऊ ठाकरे सभाकक्ष में मास्टर ट्रेनर डॉ. जे के जैन एवं उनके सहायक टीम द्वारा मतगणना के लिए लगे अधिकारी एवं कर्मचारियों को द्वितीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने कहा कि प्रशिक्षण में बताई गई बातों को ध्यान रखें। किसी भी तरह की शंका या समास्या होने पर मास्टर ट्रेनर्स से समाधान प्राप्त करें। आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों को पालन करें। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री परमार, एसडीएम श्री शाक्य एवं मतगणना कर्मी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में डाक मतपत्र की मतगणना किस प्रकार की जाना है, उसकी संपूर्ण प्रक्रिया एवं बारीकियां के बारे में प्रशिक्षार्थियों को अवगत कराया गया। डाक मतपत्र मतगणना संबंध में समीक्षा व विधिमान्य किए जाने वाले मतपत्र के बारे में बताया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा नियंत्रण यूनिट/कंट्रोल यूनिट के मतगणना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुवे उसे खोलना, उस पर लगे नंबरों का मिलान कैसे करना, सिलो की जांच करना व मतगणना संबंधी जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर द्वारा मतगणना के दौरान किस प्रारूप में आवश्यक प्रतिपूर्ति की जानी है, इस बारे में बताया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विहित नियमों का पालन करते हुए मतगणना कार्य संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक बिन्दुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही मतगणना के संबंध में प्रमुख वैधानिक प्रावधानों, नियमों तथा मतगणना के दौरान कौन-कौन सी जरूरी सावधानी बरती जानी है इसकी जानकारी से मतगणना कर्मियों को अवगत कराया गया। मतगणना कर्मियों को हेण्ड आन प्रशिक्षण भी दिया गया।

मतगणना स्थल पर मोबाईल ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मंदसौर द्वारा बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु जिले के विधानसभा क्षेत्र 224 मंदसौर, 225 मल्हारगढ, 226 सुवासरा एवं 227 गरोठ हेतु मतगणना 4 जून 2024 को प्रात: 08 बजे से शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर में प्रारंभ होगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना स्थल पर मोबाईल पूर्णतया प्रतिबंधित है। मतगणना हेतु संलग्न विभिन्न शासकीय सेवकों, अभ्यर्थियों, गणन अभिकर्ताओं, निर्वाचन अभिकर्ताओं के मोबाईल प्रथम सुरक्षा घेरे के बाहर (श्री कोल्ड चौराहा मंदसौर एवं जैन कॉलेज मंदसौर) में जमा करवाये जाने हेतु सशुल्क व्यवस्था की जावेगी। जिसके लिये शुल्क राशि 50 रूपये निर्धारित रहेगा, जो सैनिक कल्याण निधि में जमा होगा। इन काउन्टर के संचालन हेतु जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मंदसौर को प्रभारी नियुक्त किया गया है। मोबाईल धारकों के मोबाईल जमा करने के दौरान उन्हें पावती दी जावें, तथा इसकी प्रविष्टिपंजी में दर्ज की जावें।

आधुनिक भारत के नवनिर्माण में पं. नेहरू का अहम योगदान-रातड़िया

पंडित नेहरू की पुण्यतिथि शहर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा मनाई

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। आधुनिक भारत का निर्माण करने वाले ,विश्व शांति के अग्रदूत,महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पंडित जवाहरलालजी नेहरू की पुण्यतिथि सोमवार को शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर द्वारा नेहरू उद्यान बस स्टैण्ड मन्दसौर पर पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई । इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया ने पंडित नेहरू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंडित नेहरू का परिवार साधन संपन्न होने के बावजूद सब कुछ त्याग कर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया । अपने जीवन के 9 साल जेल में बिताए आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए आधुनिक भारत के निर्माण की नींव रखी। श्री नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता और विज्ञान और

प्रौद्योगिकी को बढावा देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाएं। वही आईआईटी उच्च शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की। भारत खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बने इसके लिए उन्होंने बडे-बडे बांध बना कर आधुनिक भारत का निर्माण किया। विपक्षी नेताओं से कटुता ना रखते हुए उनका हमेशा सम्मान किया। इसलिए विश्व के नेता कहलाए।

इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर शहर प्रभारी मोहम्मद हनीफ शेख ने कहा की पंडित नेहरू ने शिक्षा के क्षेत्र में स्वास्थ्य क्षेत्र में धर्मनिरपेक्षता के क्षेत्र में कई कार्य किए। पंडित नेहरू को बच्चों से बहुत स्नेह,प्यार था,वह बच्चों में चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हुए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस पदाधिकारी सर्वश्री डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा अजय लोढा, आसिफ छिपा, लक्ष्मण मेघनानी, सुरेश भाटी, सुदर्शन सिंह शक्तावत, विजय सिंह सिसोदिया अजा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष संदीप सलोद,अजजा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रमेश सिंगार, मंडलम अध्यक्ष में सर्वश्री विश्वनाथ सोनी , दशरथ सिंह राठौड ,अजय मारू, अजय सोनी सेक्टर अध्यक्षगण सर्वश्री घनश्याम लोहार, सादिक गोरी , आरिफ अंसारी ,कचरमल जटिया,कांग्रेस नेतागण मनोहर नाहटा, प्रीतम पंचोली, जगदीश जटिया, एनएसयूआई नगर अध्यक्ष सम्यक जैन, राकेश सेन , आमीन खान, मोहम्मद आसिफ, भंवर लाल कुमावत , कन्हैयालाल कुमावत आदि इस अवसर पर उपस्थित थे श्र कार्यक्रम का संचालन खानपुरा मंडलम अध्यक्ष रमेश ब्रिजवानी ने किया आभार जनकुपूरा मंडल अध्यक्ष राजनारायण लाड ने माना।

तुम्बड़ नदी के उद्गम स्थल पर श्रीमद् देवी भागवत कथा का समापन

जोगीखेड़ा, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कूलर, एसी, पंखा अपने लिए लगते हो। पर अपने बूढ़े मां-बाप के लिए भी लगाओ। अक्सर देखा जाता है की बच्चे पक्के मकान में रहते हैं। पर मां-बाप को उन में रहने का सुख नहीं मिल पाता। कई बेटे अपने माता-पिता को अनाथ आश्रम में छोड देते हैं।

यह बात जोगी खेडा निपानिया के बीच तुम्बड नदी के उद्गम स्थल पर आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा के अंतिम दिवस पूज्य गुरुदेव अंबाजी धाम निपानिया ने कहीं। आपने कहा माता-पिता बूढे हो, चाहे अंधे हो, चाहे लंगड़े हो। उनकी नित्य प्रतिदिन सेवा करने वाला ही भगवान की कृपा प्राप्त कर सकता है। आपने कहा नदी के किनारे निर्माणाधीन मंदिर पूरा होने के बाद क्षेत्र में जिन बुजुर्ग महिला पुरुषों का कोई नहीं है। उनकी सेवा अंबाजी धाम निपानिया सेवा समिति करेगी। आपने कहा यज्ञ में जो भी आहुति लगती है। उन पर देवताओं का अधिकार है। और जो सामग्री यज्ञ कुंड से बाहर गिरती है। उस पर दीमक का अधिकार है। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में

श्रद्धालु पहुंचे। आपने कथा में अनेक प्रसंगों पर विस्तार से बताया एवं उनका अनुसरण करने की अपील की। कथा के दौरान दिव्य भजनों पर श्रद्धालु खुब नांचे। अंतिम दिन दोपहर बाद श्रीमद् देवी भागवत कथा का समापन हुआ। उसके बाद महा आरती हुई। इसके पश्चात प्रसाद वितरण एवं महा भंडारा हुआ। भंडारे में कथा श्रवण के लिए अंचल सहित दूरदराज क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। इसके पश्चात कथा स्थल से पंडित पूज्य गुरुदेव अंबाजी धाम निपानिया को बग्घी में विराजित कर ढोल डीजे के साथ पूरे गांव में शोभायात्रा निकाली। यहां अगले साल के लिए भी कथा का निश्चय हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं ने बोली लगाकर दान राशि लिखवाई।

वर्षाकाल में आपदा प्रबंधन तैयारियों की बैठक आज

नीमच, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन की अध्य क्षता में आज 28 मई 2024 को दोपहर 12.30 बजे कलेक्ट्रो रेट सभाकक्ष नीमच मे आगामी वर्षाकाल में आपदा प्रबंधन की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की जा रही है। सभी सम्बंधित अधिकारियों को विभागीय जानकारी के साथ इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये गये है।

आचार संहिता हटने के बाद नया हेलीकाप्टर और स्टेट जेट प्लेन खरीदेगी सरकार

भोपाल, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के नए स्टेट जेट प्लेन खरीदने की प्रक्रिया विमानन विभाग ने नए सिरे से शुरू कर दी है। लगभग ढाई सौ करोड रुपये में नया जेट प्लेन खरीदा जाएगा। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटने के बाद प्रक्रिया तेज की जाएगी। स्टेट जेट प्लेन के लिए कुछ विमान निर्माता कंपनियों ने अपनी दरें प्रस्तुत कर दी हैं। मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति की मंजूरी के बाद यह प्रकरण कैबिनेट भेजा जाएगा। प्लेन के साथ ही नया हेलीकाप्टर भी खरीदा जाएगा। विमानन विभाग ने इसके लिए एक्सप्रेशन आफ इंट्रेस्ट जारी किया था जिसमें अनेक निर्माता कंपनियों ने अपने यहां निर्मित हेलीकाप्टर की तकनीकी खूबियां बताई हैं। अब इस आधार पर टेंडर बनाया जा रहा है जिसमें अपेक्षित शर्तें हौंगी तथा इस टेंडर में जो दरें आएंगी उसके अनुसार नए राजकीय हेलीकाप्टर का क्रय किया जाएगा। बता दें कि कमल नाथ सरकार में खरीदा गया ग्वालियर में दुर्घटनाग्रस्त पडा राजकीय प्लेन किंग एयर बी-250 टर्बोप्राप का वेल्युएशन कराने के लिए भी चार जून के बाद टेंडर जारी किए जाएंगे। वेल्युएशन में जो दरें आएंगी वही इसकी आफसेट प्राईज होगी और इसके बाद इसे बेचने के टेंडर जारी किए जाएंगे एवं उसमें आफसेट प्राईज से कम कीमत में यह प्लेन नहीं बेचा जाएगा।

श्री चैतन्य भगवान का 62वां निर्वाण महोत्सव चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में आज

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। आशुतोष भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के संस्थापक श्री प्रत्यक्षदेव भगवान के सदगुरुदेव श्री चैतन्य भगवान की 62वीं पुण्यतिथि (निर्वाण महोत्सव) ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी दिनांक 28 मई 2024, मंगलवार को श्री चैतन्य आश्रम मैनपुरिया मंदसौर में मनाई जाएगी। जिसमें प्रात: 7 बजे रुद्राभिषेक, प्रात: 9 बजे हवन, प्रात: 10 बजे समाधि पूजन/सत्संग व पश्चात् प्रात: 11 बजे महाप्रसादी का आयोजन होगा।

श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास ट्रस्ट अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने बताया कि जिसमे श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास संरक्षक परम पूज्य स्वामीजी 1008 श्री धीरेशानंद जी महाराज, युवाचार्य महंत स्वामी श्री मणिमहेश चैतन्यजी महाराज, स्वामी शिवचैतन्य जी महाराज व स्वामी कृष्णानंदजी महाराज (गुलाबपुरा) सहित कई संत विप्रगण एवं प्रबुद्धजनों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, उपाध्यक्ष डॉ. घनश्याम बटवाल, दयाराम दग्धी, सचिव रूपनारायण जोशी, कोषाध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया, ट्रस्टीगण कारूलाल सोनी, ओमनारायण शर्मा, ओंकारलाल माली, कामताप्रसाद शर्मा, ब्रजेश जोशी, बंसीलाल टॉक, राधेश्याम गर्ग, भेरूलाल कुमावत, अजय सिखवाल, गोविंद सिंह राणावत, प्रद्युम्न शर्मा , मांगीलाल धाकड, रामचंद्र कुमावत, उदयलाल कुमावत, रणछोडलाल कुमावत, महेश गर्ग, नारायण कुमावत, रमेशचंद्र शर्मा ने सभी धर्मालुजनों से अनुरोध किया है कि कार्यक्रम में पधार कर सदगुरुदेव चैतन्य भगवान की कृपा प्राप्त करें।

विहीप गोरक्षा विभाग मालवा प्रान्त में देगा 10 जून को ज्ञापन

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 23 अप्रेल 2024 गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद गोरक्षा विभाग देशी गौवंश रक्षण संवर्धन समिति की एक दिवसीय क्षेत्रीय बैठक भोपाल विहिप कार्यालय पर आहूत की गई थी जिसमे क्षेत्र के मध्य भारत प्रान्त,महाकोशल प्रान्त मालव प्रान्त, छत्तीसगढ प्रान्त के प्रांत कार्यकर्ता उपस्थित थे जिनका मार्गदर्शन विहिप केंद्रीय मंत्री व गोरक्षा विभाग के अखिल भारतीय सरक्षक दिनेश उपाध्याय एवम केंद्रीय अधिकारी व क्षेत्र के पालक अधिकारी लालबहादुर व क्षेत्रीय गोरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में मालवा प्रान्त से गोरक्षा आयाम के प्रान्त गोरक्षा प्रमुख महेंद्रसिंह डोडिया व प्रान्ताध्यक्ष भगवान दास ज्ञानानी उपस्थित रहे। बैठक में गोवंश तस्करी पशु क्रूरता गोवंश परिवहन व अवैध रूप से गोमांस का विक्रय जैसे मुद्दों पर चिन्तन हुआ इन मुद्दों को लेकर विहीप गोरक्षा विभाग देशी गौवंश रक्षण सवर्धन समिति 10 जून को मालवा प्रान्त के सभी जिलों में एक साथ सभी जिला केंद्र पर ज्ञापन देगी। यह जानकारी विहीप गोरक्षा विभाग देशी गोवंश रक्षण सवर्धन परिषद समिति के प्रांत अध्यक्ष भगवान दास ज्ञानानी द्वारा दी गयी।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने उप जैल गरोठ का किया निरीक्षण

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को जिले में स्थापित समस्त जेलों का निरीक्षण किया जाना है। इसी अनुक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्रीमती रेणुका कंचन द्वारा उप जेल गरोठ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने उप जेल गरोठ के विभिन्न बैरक में निरुद्ध बंदीगण के रहन-सहन, खान-पान, साफ सफाई, स्वास्थ्य, विधिक सहायता आदि विषयों के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने जेल में स्थापित रसोई घर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, खाद्यान कक्ष आदि का भी निरीक्षण किया । इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बंदियों को विशेषज्ञ

सलाह हेतु शुरू की गई टेलीमेडिसिन की सुविधा के बारे में भी जाना। जेल प्रशासन के द्वारा बताया गया कि अब तक 27 बंदियों को टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह ली गई है। उन्होंने बंदियों के मनोरंजन हेतु लगाए गए टीवी सेट को सुधरवाने के आवश्यक निर्देश जेल प्रशासन को दिए। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने निरुद्ध बंदीगण से उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, उप जेल अधीक्षक श्री नवीन नीमा एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद मध्य प्रदेश में होगी निगम-मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियां

भोपाल, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। चार जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद निगम-मंडल और बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। इसमें उन लोगों को प्राथमिकता मिलेगी, जिनसे विधानसभा और लोकसभा चुनाव में टिकट के जिन दावेदारों को दर्जा मंत्री बनाने का आश्वासन दिया गया था, उन नेताओं को एडजेस्ट किया जाएगा।

इसके अलावा कांग्रेस से आए कुछ चुनिंदा नेताओं की ताजपोशी भी निगम- मंडलों में हो सकती है। शिवराज सरकार में भाजपा के उन संभागीय संगठन मंत्रियों को भी निगम- मंडल में तैनात किया गया था, जिन्हें पार्टी ने विधानसभा चुनाव के बाद हटाया था। इनमें से कुछ भाजपा के पूर्णकालिक कार्यकर्ता भी हैं। अब तय किया गया है कि उन सभी पूर्व संगठन मंत्रियों को एकबार फिर मंत्री दर्जा दिया जाएगा।

टिकट से वंचित रहे नेताओं का मिल सकता है अवसर–विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कई नेताओं की टिकट काटी गई थी। इनमें से कुछ नेताओं के पुनर्वास का पार्टी ने आश्वासन दिया था। संभावना है कि चुनाव बाद सरकार ऐसे नेताओं को मंत्री दर्जा दे सकती है। भाजपा इस बात पर भी विचार कर रही है कि जिन नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें भी निगम-मंडल में समायोजित किया जा सके।

कांग्रेस नेताओं को भी पुनर्वास की आस–कांग्रेस के भी कई नेताओं ने भाजपा का दामन थामा है, उनमें से कुछ को पार्टी ने मंत्री दर्जा देने का आश्वासन दिया था, उनके नाम पर पार्टी विचार कर सकती है। कांग्रेस से सुरेश पचौरी सहित तीन पूर्व सांसदों ने भाजपा की शरण ली थी। इसी तरह कमल नाथ के गढ छिंदवाडा में भाजपा ने दीपक सक्सेना को तोडकर झटका दिया था। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने सुरेश पचौरी को राज्यसभा भेजने का वादा किया था। प्रदेश में गुना लोकसभा सीट से चुनाव लड रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया यदि चुनाव जीत जाते हैं तो उनकी राज्यसभा सीट से किसी को राज्यसभा भेजा जा सकता है।

पूर्व संभागीय संगठन मंत्रियों को मिलेगा मौका–शिवराज सरकार में भाजपा के पूर्व संभागीय संगठन मंत्रियों को निगम-मंडल में पदस्थ कर मंत्री दर्जा दिया गया था। लेकिन पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव के बाद इन नेताओं को हटा दिया गया था। पार्टी सूत्रों ने बताया कि उन सभी पूर्व संभागीय संगठन मंत्रियों को एकबार और अवसर देकर निगम में तैनात किया जाएगा।

निरस्त हो चुकी है निगम-मंडल में नियुक्तियां–चुनाव बाद निगम, मंडल और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों को निरस्त करने का सैद्धांतिक निर्णय लिया है। इन सभी को कैबिनेट व राज्य मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। इससे पहले सरकार ने मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड के अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र बिरथरे और राज्य वन विकास निगम के उपाध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह सहित नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने भोपाल, इंदौर, उज्जैन, देवास सहित अन्य विकास प्राधिकरणों में नियुक्त किए गए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और अशासकीय सदस्यों की नियुक्ति भी निरस्त कर दिए थे।

मृणाली ने किया शानदार प्रदर्शन....

कराटे प्रतियोगिता में जीता ब्रांस मेडल

मंदसौर, 27 मई गुरु एक्सप्रेस। इंदौर डिस्ट्रीक एसोसिएशन द्वारा गोल्ड कप कराटे चेम्पीयनशीप का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मृणाली अनिल शिंदे ने शानदार प्रदर्शन किया। कोठारी कॉलेज इंदौर में आयोजित इस प्रतियोगिता में मृणाली शिंदे के साथ ही शिवानिया भदौरिया, युगल बघेरवाल, नमन शर्मा ने ब्रांस मेडल जीते। खिलाड़ियों की इस सफलता कोच लक्ष्य भावसार और जया सिसौदिया सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की।

आवश्यकता है

रेडीमेड कपड़ों की दुकान के लिए

सेल्समेन की आवश्यकता है

वेतन योग्यतानुसार

दिलीप स्टोर्स

कालाखेत, मंदसौर, मो.-8839455308

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in